# 2 वर्ण विचार
## *(Phonology)*

जब हम बोलते हैं तो हमारे मुख से ध्वनियाँ निकलती हैं। इन्हीं ध्वनियों को मिलाकर शब्द बनता है; जैसे-तोता, बिल्ली, सूरज आदि शब्दों की ध्वनियाँ देखिए :

तोता = त् + ओ + त् + आ

सूरज = स् + ऊ + र + अ + ज् + अ

बिल्ली = ब् + इ + ल् + ल् + ई

ये छोटी से छोटी ध्वनियाँ हैं। इनके और छोटे टुकड़े नहीं हो सकते। इन्हें ही वर्ण कहते हैं।

भाषा की वह सबसे छोटी इकाई या ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

वर्णों के प्रकार – हिंदी भाषा में वर्ण दो प्रकार के होते हैं:

1. स्वर
2. व्यंजन

स्वर : जिन वर्णों के उच्चारण के समय बिना किसी रुकावट के मुख से हवा निकलती है, वे स्वर कहलाते हैं। हिंदी में स्वरों की संख्या (11) ग्यारह है।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अं अँ अः भी वर्ण हैं। इनका स्थान स्वर के बाद और व्यंजन से पहले माना जाता है।

अं को अनुस्वार कहते हैं। यह ध्वनि नाक की सहायता से बोली जाती है। अं का चिह्न ( ं ) होता है; जैसे – गंगा, संगीत, शंका, डंका, लंका, हंस आदि।



Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

अँ को अनुनासिक स्वर कहते हैं। इस ध्वनि का उच्चारण मुँह और नाक की सहायता से किया जाता है। अँ का चिह्न (ँ) होता है; जैसे- हँसना, साँप, आँख, पाँच आदि।

अः को विसर्ग कहते हैं। इसका उच्चारण 'ह' के समान अथवा स्वर के बाद झटका देकर किया जाता है। अः का चिह्न (:) होता है; जैसे- प्रातः, अतः, नमः, दुःख आदि।

हिन्दी में अंग्रेज़ी भाषा के शब्दों के प्रयोग के कारण 'ऑ' की ध्वनि को भी हिन्दी वर्णमाला में ले लिया गया है। जैसे-कॉफी, ऑफिस, बॉल आदि।

**स्वर की मात्राएँ :**

'अ' स्वर तो प्रत्येक व्यंजन में मिला होता है, इसलिए इसकी कोई मात्रा नहीं होती, लेकिन अन्य स्वर- आ, इ, ई आदि व्यंजनों में मिलते समय अपना रूप बदल लेते हैं। स्वरों का यह बदला हुआ रूप मात्रा कहलाता है। इनके लिए कुछ विशेष चिह्न होते हैं।

व्यंजन के साथ लगने वाले स्वर के विशेष चिह्न मात्रा कहलाते हैं।

| स्वर | मात्रा | व्यंजन | मात्रा के साथ | शब्द |
|---|---|---|---|---|
| अ | कोई मात्रा नहीं | क् + अ | क | कल, मन |
| आ | ा | र् + ा | रा | राम, कान |
| इ | ि | च् + ि | चि | चिड़िया, चिट्ठी |
| ई | ी | स् + ी | सी | सीता, रीता |
| उ | ु | प् + ु | पु | पुल, पुष्प |
| ऊ | ू | फ् + ू | फू | फूल, धूल |
| ऋ | ृ | ग् + ृ | गृ | गृह, कृपा |
| ए | े | श् + े | शे | शेर, केला |
| ऐ | ै | म् + ै | मै | मैना, पैसा |
| ओ | ो | ब् + ो | बो | बोल, मोर |
| औ | ौ | फ् + ौ | फौ | फौज, चौराहा |

व्यंजन – जिन वर्णों का उच्चारण करते समय मुख से निकलने वाली वायु में रुकावट पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। सभी व्यंजनों में 'अ' स्वर मिला रहता है। व्यंजन स्वरों की सहायता के बिना नहीं बोले जा सकते, अतः ये स्वतंत्र ध्वनियाँ नहीं हैं।



Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

हिन्दी भाषा में 33 व्यंजन हैं।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क | ख | ग | घ | ङ |
| च | छ | ज | झ | ञ |
| ट | ठ | ड | ढ | ण |
| त | थ | द | ध | न |
| प | फ | ब | भ | म |
| य | र | ल | व | श |
| | ष | स | ह | |

**संयुक्त व्यंजन :**

दो वर्णों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं।

क्ष = क् + ष — अक्षय, कक्षा

त्र = त् + र — पत्र, मित्र

ज्ञ = ज् + ञ — ज्ञानी, यज्ञ

श्र = श् + र — श्रमिक, परिश्रम

- 'अ' स्वर के बिना व्यंजन इस प्रकार लिखे जाते हैं:- क् ख् ग् घ्------ इन व्यंजनों के नीचे लगी तिरछी रेखा हलंत (्) कहलाती है।
- ड़ और ढ़ ध्वनियों को भी व्यंजन के रूप में अपनाया गया है। इन ध्वनियों से कोई शब्द शुरू नहीं होता। भाषा में इनका व्यापक प्रयोग होता है; जैसे- कपड़ा, पढ़ना, घोड़ा, गाड़ी, सड़क आदि।

**वर्णमाला :**

स्वर और व्यंजनों का व्यवस्थित क्रम वर्णमाला कहलाता है। प्रत्येक भाषा की अपनी-अपनी वर्णमाला होती है। हिंदी की वर्णमाला में 11 स्वर और 33 व्यंजन होते हैं। अंग्रेज़ी की वर्णमाला (Alphabet) में 26 वर्ण हैं।

**परिभाषा :** वर्णों के निश्चित क्रम समूह को वर्णमाला कहते हैं।



Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

**'र' का प्रयोग :**

हिन्दी भाषा में 'र' का प्रयोग कई तरह से किया जाता है। कहीं यह वर्ण के ऊपर आता है और कहीं नीचे। पिछली कक्षा में 'र' में उ, ऊ की मात्रा के विषय में आपने पढ़ा था। 'र' के अन्य रूप भी हैं, जैसे- कार्य, सूर्य, ड्रम, ट्रक, क्रम, भ्रम, रथ, रात आदि। 'र' के प्रयोग के विषय में विस्तार से हम अगली कक्षाओं में जानेंगे।

**हमने सीखा :**

- भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण होती है। वर्ण दो प्रकार के होते हैं- स्वर और व्यंजन।
- स्वर स्वतंत्र ध्वनियाँ हैं, परंतु व्यंजन स्वंतत्र नहीं होते।
- वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।
- व्यंजन के साथ प्रयोग होने वाले स्वर-चिह्न भाषा कहलाते हैं।
- संयुक्त व्यंजन चार हैं।

## अभ्यास

1. वर्ण किसे कहते हैं?
2. स्वर और व्यंजन से आप क्या समझते हैं?
3. नीचे दिए गए वर्णों के सामने स्वर और व्यंजन लिखिए।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| (क) | इ | ________ | घ | ________ |
| (ख) | च | ________ | ल | ________ |
| (ग) | य | ________ | औ | ________ |
| (घ) | ऋ | ________ | ब | ________ |
| (ङ) | व | ________ | ऊ | ________ |
| (च) | श | ________ | र | ________ |

4. नीचे दिए चित्रों को देखकर सही स्थान पर अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग करते हुए चित्रों के नाम लिखिए।

________

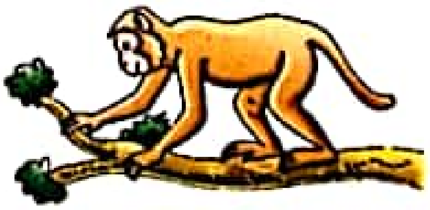

________

प्रश्न- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

प्रश्न -वर्ण किसे कहते हैं ?
उत्तर भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि जिस के टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है?

प्रश्न- स्वर और व्यंजन से आप क्या समझते हैं ?
उत्तर -जिन वर्णों के उच्चारण के समय बिना किसी रूकावट के मुख से हवा निकलती है वह स्वर कहलाते हैं। जिन वर्णों के उच्चारण करते समय मुख से निकलने वाली वायु में रुकावट पड़ती है उन्हें व्यंजन कहते हैं।

Scanned with CamScanner